मोबाइल को कहा 'बाय-बाय', किताबों की दुनिया में खो गए विद्यार्थी

जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज में सजा 'बुक डूफ', एक साथ बैठे विद्यार्थी

चंडीगढ़, 15 अक्तूबर (विशेष संवाददाता): न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्रॉल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून।

सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के छात्र 'बुक डूफ' का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में अपनाते हुए।

सैक्टर- 32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में इंग्लिश विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ इसी अंदाज में 'बुक डूफ' का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्रम में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचा, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी। इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए। यहां मकसद किताबों पर चर्चा करना ही नहीं, बल्कि बिना किसी व्यवधान के पढ़ने के आनंद को महसूस करना भी था। विद्यार्थियों की पसंद में साहित्य की अलग-अलग विधाओं का रंग देखने को मिला। अमिताव घोष की 'द शैडो लाइन्स' से लेकर चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की 'द पैलेस ऑफ इल्यूशंस', पीजी वोडहाउस की 'द कोड ऑफ द वूस्टर्स' और हारुकी मुराकामी की 'व्हाट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाऊट रनिंग' जैसी चर्चित किताबें इस आयोजन का हिस्सा बनी।

अजीत समाचार

उत्तर भारत का सम्पूर्ण अख़बार

16-Oct-2026

Page: 5

https://www.ajitsamachar.com/20261016/20/5/1_1.cms

अमर उजाला 15-10-26

डीएवी, जीजीडी और एसजीजीएस कॉलेज के मुक्केबाजों ने दर्ज की जीत

पीयू इंटर कॉलेज बॉक्सिंग चैंपियनशिप में मुक्केबाजों के बीच रोमांचक मुकाबले रहे

माई सिटी रिपोर्टर

चंडीगढ़। पंजाब यूनिवर्सिटी इंटर कॉलेज बॉक्सिंग (पुरुष) चैंपियनशिप सत्र 2026-27 के पहले दिन मुक्केबाजों के बीच रोमांचक मुकाबले देखने को मिले।

खिलाड़ियों ने रिंग में अपनी तकनीक, फुर्ती और दमदार पंचों के दम पर प्रतिद्वंद्वियों को चुनौती दी। प्रतियोगिता के शुरुआती दिन 47-50 किलोग्राम और 50-55 किलोग्राम भार वर्ग में कई मुकाबले हुए, जिनमें चंडीगढ़ के कॉलेजों के खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की। 47-50 किलोग्राम वर्ग में डीएवी कॉलेज, चंडीगढ़ के रितिक ने जीसीसीएंडबीए, सेक्टर-50 के आशीष और एसजीजीएस कॉलेज, माहिलपुर के विक्रम को हराया। एसडी कॉलेज के हर्षित ने पीजी गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर-11 के जतिन को मात दी। डीएवी कॉलेज, होशियारपुर के वंश ने वाहेगुरु कॉलेज, अबोहर के चिंटू को हराया। एसजीजीएस कॉलेज, चंडीगढ़ के अभिषेक ने मुक्तसर के गुरिंदर को पराजित किया।

जीजीडी एसडी कॉलेज के हर्षित ने एएस कॉलेज, खन्ना के कार्तिक को शिकस्त दी। 50-55 किलोग्राम वर्ग में एसजीजीएस कॉलेज के आदित्य पंवार ने फिरोजपुर के अभिषेक को हराया। डीएवी कॉलेज के प्रथम ने सेक्टर-46 के नैतिक को मात दी। जीजीडी एसडी कॉलेज के कृष्णा ने मुक्तसर के पवन कुमार, जबकि पीजी गवर्नमेंट कॉलेज, सेक्टर-11 के नवीन ने अबोहर के विकास को हराया।

55-60 किलोग्राम वर्ग में एसजीजीएस कॉलेज के करमजोत सिंह ने मुक्तसर के शिवम को हराया। 70-75 किलोग्राम वर्ग में डीएवी कॉलेज, होशियारपुर के मोक्ष ने एएस कॉलेज, खन्ना के उदयवीर को पराजित किया।

अमर उजाला 15-10-2026

एसडी कॉलेज में विद्यार्थियों ने पसंदीदी किताबे पढ़ीं

चंडीगढ़। सेक्टर-32 स्थित एसडी कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों ने पढ़ने की आदत को बढ़ावा देने के लिए बुक डूफ कार्यक्रम आयोजित किया। इसमें विद्यार्थियों ने पसंदीदा किताबें पढ़ीं। अमिताव घोष और पीजी वोडहाउस जैसे लेखकों की किताबें शामि[illegible] रहीं। डॉ. अर्चना वर्मा सिंह ने पहल की सराहना की। ब्यूरो

अर्थ प्रकाश 15-10-26

जीजीडीएसडी कॉलेज में पठन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए 'बुक डूफ' कार्यक्रम का आयोजन

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। जीजीडीएसडी कॉलेज के अंग्रेज़ी विषय के विद्यार्थियों नेएक अनूठे 'बुक डूफ' कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें पुस्तकप्रेमियों ने एक साथ मिलकर पढ़ने के आनंद का उत्सव मनाया। इसअवसर पर प्रत्येक विद्यार्थी अपने घर से ऐसी पुस्तकें लेकर आया, जोउसके दिल के करीब थीं और जिनसे उसकी विशेष यादें जुड़ी हुई थीं।

कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं की अनेक पुस्तकें पढ़ी गई। इनमें अमिताव घोष की द शैडो लाइन्स, चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी कीद पैलेस ऑफ इल्यूशंस, पी. जी. वोडहाउस की द कोड ऑफद वूस्टर्स तथा हारुकी मुराकामी की व्हाट आई टॉक अबाउटव्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग जैसी प्रसिद्ध पुस्तकें शामिल थीं।

इस कार्यक्रम ने विद्यार्थियों को एक शांत वातावरण प्रदानकिया, जहाँ वे एक साथ बैठकर अपनी पसंदीदा पुस्तकों कोपढ़ने में तल्लीन हो सके। 'बुक डूफ' जैसे आयोजन आजकललोकप्रिय हो रहे हैं, क्योंकि पाठक विभिन्न प्रकार के व्यवधानोंसे दूर होकर पढ़ने के आनंद को फिर से अनुभव करना चाहते हैं।ऐसे आयोजन शांत, स्क्रीन-मुक्त सामाजिक वातावरण में लोगोंको एक साथ बैठकर मौन में पढ़ने का अवसर प्रदान करते हैं।

अंग्रेज़ी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना वर्मा सिंह ने इसकार्यक्रम के आयोजन और पठन संस्कृति को बढ़ावा देने के लिएविद्यार्थियों की सराहना की। उन्होंने कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजयशर्मा तथा अंग्रेज़ी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पूजा सरीन द्वारा निरंतरदिए जा रहे सहयोग और प्रोत्साहन के लिए भी आभार व्यक्त किया।

इस पहल ने एक सार्थक आदत के रूप में पढ़ने के महत्व कोरेखांकित किया और विद्यार्थियों को पुस्तकों तथा समान रुचिरखने वाले पाठकों के साथ दोबारा जुड़ने का अवसर प्रदान किया।

अर्थ प्रकाश 16/10/26

मोबाइल फोन को कहा 'बाय-बाय', किताबों की दुनिया में खो गए विद्यार्थी

जीजीडीएसडी कॉलेज में सजा 'बुक डूफ', एक साथ बैठे विद्यार्थी

अर्थ प्रकाश संवाददाता

चंडीगढ़। न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्रॉल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में इंग्लिश विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ इसी अंदाज में 'बुक डूफ' का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्रम में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचा, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी। इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए। यहां मकसद किताबों पर चर्चा करना ही नहीं, बल्कि बिना किसी व्यवधान के पढ़ने के आनंद को महसूस करना भी था।

विद्यार्थियों की पसंद में साहित्य की अलग-अलग विधाओं का रंग देखने को मिला। अमिताव घोष की 'द शैडो लाइन्स' से लेकर चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की 'द पैलेस ऑफ इल्यूशंस', पीजी वोडहाउस की 'द कोड ऑफ द वूस्टर्स' और हारुकी मुराकामी की 'व्हाट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग' जैसी चर्चित किताबें इस आयोजन का हिस्सा बनीं।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि डिजिटल दौर में, जब लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर बीत रहा है, ऐसे में 'बुक डूफ' जैसी पहल पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें लोग एक ही स्थान पर शांतिपूर्वक बैठकर अपनी पसंद की किताब पढ़ते हैं। इस दौरान न बातचीत होती है और न ही कोई दूसरी गतिविधि पढ़ने में बाधा बनती है।

मोबाइल को कहा बाय-बाय, किताबों की दुनिया में खो गए विद्यार्थी

सिटी दर्पण संवाददाता

चंडीगढ़

न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्रॉल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में इंग्लिश विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ इसी अंदाज में बुक डूफ का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्रम में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचा, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी। इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए। यहां मकसद किताबों पर चर्चा करना ही नहीं, बल्कि बिना किसी व्यवधान के पढ़ने के आनंद को महसूस करना भी था। विद्यार्थियों की पसंद में साहित्य की अलग-अलग विधाओं का रंग देखने को मिला। अमिताव घोष की द शैडो लाइन्स से लेकर चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की द पैलेस ऑफ इल्यूशंस, पीजी वोडहाउस की द कोड ऑफ द वूस्टर्स और हारुकी मुराकामी की व्हाट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग जैसी चर्चित किताबें इस आयोजन का हिस्सा बनीं।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि डिजिटल दौर में, जब लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर बीत रहा है, ऐसे में बुक डूफ जैसी पहल पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें लोग एक ही स्थान पर शांतिपूर्वक बैठकर अपनी पसंद की किताब पढ़ते हैं। इंग्लिश विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना वर्मा सिंह ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना की। उन्होंने पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने में सहयोग के लिए कॉलेज प्रिंसिपल और अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा सरीन का आभार जताया। आयोजन ने संदेश दिया कि डिजिटल दुनिया की तेज रफ्तार के बीच किताबों के साथ बिताए गए शांत पल आज भी सुकून और सीख का अनमोल जरिया हैं।

दैनिक सवेरा 16|10|26

मोबाइल को कहा बाय-बाय, किताबों की दुनिया में खो गए विद्यार्थी

मोबाइल को छोड कर एक साथ बैठे विद्यार्थी।

जीजीडीएसडी कॉलेज में सजा 'बुक डूफ', एक साथ बैठे विद्यार्थी

सवेरा न्यूज/नीना

चंडीगढ, 15 अक्तूबर : न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्राल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून। सेक्टर-32 गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में इंग्लिश विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ इसी अंदाज में 'बुक डूफ' का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्र म में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचा, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी। इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि डिजिटल दौर में, जब लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर बीत रहा है, ऐसे में 'बुक डूफ' जैसी पहल पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकती है।

मोबाइल को कहा 'बाय-बाय', किताबों की दुनिया में खो गए विद्यार्थी

जीजीडीएसडी कॉलेज में सजा 'बुक डूफ', एक साथ बैठे विद्यार्थी

देश प्यार चंडीगढ़। न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्रॉल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में इंग्लिश विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ इसी अंदाज में 'बुक डूफ' का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्रम में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचा, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी। इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए। यहां मकसद किताबों पर चर्चा करना ही नहीं, बल्कि बिना किसी व्यवधान के पढ़ने के आनंद को महसूस करना भी था।

विद्यार्थियों की पसंद में साहित्य की अलग-अलग विधाओं का रंग देखने को मिला। अमिताव घोष की 'द शैडो लाइन्स' से लेकर चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की 'द पैलेस ऑफ इल्यूशंस', पीजी वोडहाउस की 'द कोड ऑफ द वूस्टर्स' और हारुकी मुराकामी की 'व्हाट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग' जैसी चर्चित किताबें इस आयोजन का हिस्सा बनीं।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि डिजिटल दौर में, जब लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर बीत रहा है, ऐसे में 'बुक डूफ' जैसी पहल पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें लोग एक ही स्थान पर शांतिपूर्वक बैठकर अपनी पसंद की किताब पढ़ते हैं। इस दौरान न बातचीत होती है और न ही कोई दूसरी गतिविधि पढ़ने में बाधा बनती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक माहौल में बैठकर पढ़ने का अनुभव अपने आप में अनूठा है। एक ओर सभी पाठक किताबों के प्रति अपनी रुचि साझा करते हैं, वहीं दूसरी ओर हर व्यक्ति अपनी किताब के साथ एक निजी जुड़ाव महसूस करता है।

कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी इस पहल के जरिए स्क्रीन से दूरी बनाकर किताबों के साथ समय बिताने का अनुभव लिया। इंग्लिश विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना वर्मा सिंह ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना की। उन्होंने पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने में सहयोग के लिए कॉलेज प्रिंसिपल और अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा सरीन का आभार जताया। आयोजन ने संदेश दिया कि डिजिटल दुनिया की तेज रफ्तार के बीच किताबों के साथ बिताए गए शांत पल आज भी सुकून और सीख का अनमोल जरिया हैं।

दिव्य हिमाचल 15/10/21

श्रीसिद्ध बाबा बालकनाथ के वार्षिक समारोह को तैयारियां शुरू

चंडीगढ़। मंदिर कमेटी को निमंत्रण पत्र सौंपते सर्व सांझा सेवा मंडल के सदस्य

चंडीगढ़। श्री सिद्ध बाबा बालक सर्व सांझा सेवा मंडल पंजीकृत चंडीगढ़ की कार्यकारिणी और सदस्य बाबा जी के वार्षिक समारोह की तैयारियों में जुट गए हैं। समारोह के प्रचार प्रसार के लिए नवरात्रों के शुभ अवसर पर निमंत्रण कार्डए बैनर और पंपलेट बांटने का अभियान शुरू किया गया है। इसके तहत शहर के विभिन्न मंदिरों की कमेटियों को निमंत्रण देकर समारोह में शामिल होने के लिए आमंत्रित किया जा रहा है। तीसरे नवरात्र पर अभियान की शुरुआंत अध्यक्ष ओम प्रकाश शर्मा, उपप्रधान पृथ्वी सिंह प्रजापति, सलाहकार वासुदेव शर्मा और दुर्गा मंदिर के प्रधान मनोहर लाल धीमान ने की। इससे पहले मंडल के अध्यक्ष ओम ठाकुर और अन्य सदस्यों ने हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर स्थित श्री बाबा बालक नाथ मंदिर, शाहतलाई में वार्षिक समारोह का निमंत्रण कार्ड भेंट किया था। अब चंडीगढ़ के सेक्टर-46 स्थित सनातन धर्म मंदिर सभाए सेक्टर-47 के श्रीराम मंदिर और सेक्टर-44 के श्री राधा कृष्ण मंदिर की कमेटियों को भी निमंत्रण कार्ड देकर समारोह में शामिल होने का न्योता दिया गया है।

दिव्य हिमाचल 16/10/26

एसडी कालेज में 'बुक डूफ' वर्कशॉप

चंडीगढ़। बुक डूफ वर्कशॉप में शामिल एसडी कालेज के छात्र

चंडीगढ़। न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्रॉल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कालेज में इंग्लिश विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ इसी अंदाज में बुक डूफ का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्रम में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचाए जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी। इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए। यहां मकसद किताबों पर चर्चा करना ही नहीं, बल्कि बिना किसी व्यवधान के पढ़ने के आनंद को महसूस करना भी था। विद्यार्थियों की पसंद में साहित्य की अलग अलग विधाओं का रंग देखने को मिला। अमिताव घोष की द शैडो लाइन्स से लेकर चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की द पैलेस ऑफइल्यूशंस, पीजी वोडहाउस की द कोड ऑफ द वूस्टर्स और हारुकी मुराकामी की व्हाट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग जैसी चर्चित किताबें इस आयोजन का हिस्सा बनीं। कालेज के प्रिंसीपल डा. अजय शर्मा ने कहा कि डिजिटल दौर में, जब लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर बीत रहा है, ऐसे में बुक डूफ जैसी पहल पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकती है।

मोबाइल को कहा 'बाय-बाय', किताबों की दुनिया में खो गए विद्यार्थी

जीजीडीएसडी कॉलेज में सजा 'बुक डूफ', एक साथ बैठे विद्यार्थी

चंडीगढ़ (हिमप्रभा ब्यूरो)। न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्रॉल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में इंग्लिश विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ इसी अंदाज में 'बुक डूफ' का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्रम में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचा, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी।

इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए।

यहां मकसद किताबों पर चर्चा करना ही नहीं, बल्कि बिना किसी व्यवधान के पढ़ने के आनंद को महसूस करना भी था। विद्यार्थियों की पसंद में साहित्य की अलग-अलग विधाओं का रंग देखने को मिला। अमिताव घोष की 'द शैडो लाइन्स' से लेकर चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की 'द पैलेस ऑफ इल्यूशंस', पीजी वोडहाउस की 'द कोड ऑफ द वूस्टर्स' और हारुकी मुराकामी की 'व्हाट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग' जैसी चर्चित किताबें इस आयोजन का हिस्सा बनीं। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि डिजिटल दौर में, जब लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर बीत रहा है, ऐसे में 'बुक डूफ' जैसी पहल पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें लोग एक ही स्थान पर शांतिपूर्वक बैठकर अपनी पसंद की किताब पढ़ते हैं।

इस दौरान न बातचीत होती है और न ही कोई दूसरी गतिविधि पढ़ने में बाधा बनती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक माहौल में बैठकर पढ़ने का अनुभव अपने आप में अनूठा है। एक ओर सभी पाठक किताबों के प्रति अपनी रुचि साझा करते हैं, वहीं दूसरी ओर हर व्यक्ति अपनी किताब के साथ एक निजी जुड़ाव महसूस करता है। कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी इस पहल के जरिए स्क्रीन से दूरी बनाकर किताबों के साथ समय बिताने का अनुभव लिया। इंग्लिश विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना वर्मा सिंह ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना की। उन्होंने पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने में सहयोग के लिए कॉलेज प्रिंसिपल और अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा सरीन का आभार जताया। आयोजन ने संदेश दिया कि डिजिटल दुनिया की तेज रफ्तार के बीच किताबों के साथ बिताए गए शांत पल आज भी सुकून और सीख का अनमोल जरिया हैं।

H.T. Live 15-10-26

SD College hosts 'book doof' event

CHANDIGARH : English major students of GGDSD College organised a unique 'Book Doof' event and a wide array of books were read of various authors. Book doofs are gaining popularity as readers seek to disconnect from distractions and rediscover the pleasure of reading in quiet, screen-free social environments. Archana Verma Singh, assistant professor, acknowledged the support of the principal, Ajay Sharma, and the departmental head Pooja Sarin.

मोबाइल को कहा 'बाय-बाय', किताबों की दुनिया में खो गए विद्यार्थी

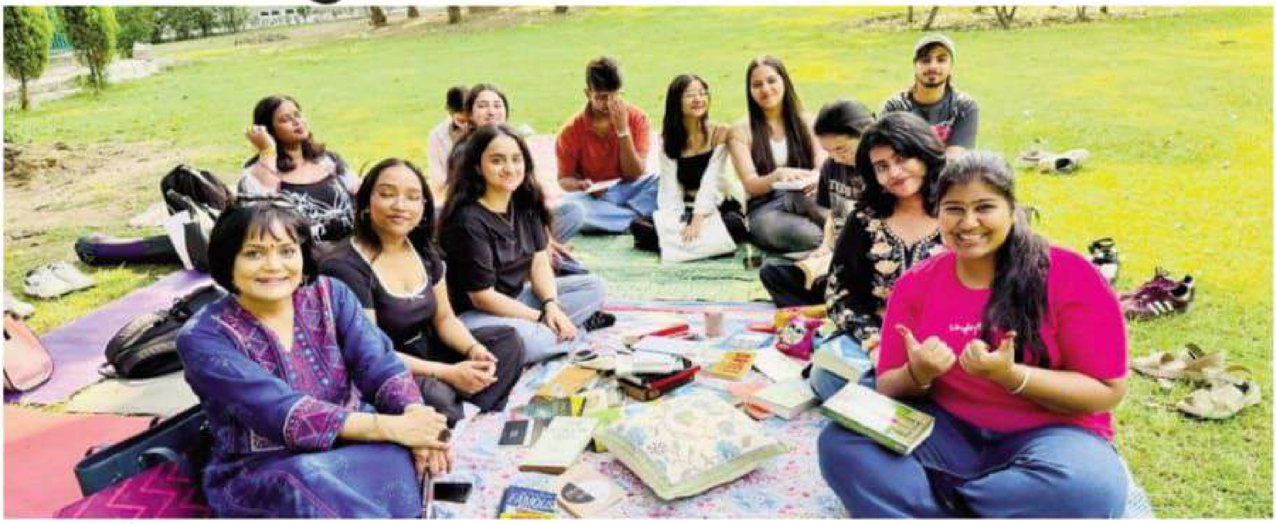

जगमार्ग न्यूज

चंडीगढ़। न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्रॉल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून। जीजीडीएसडी कॉलेज में अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ इसी अंदाज में 'बुक डूफ' का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्रम में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचा, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी। इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए। यहां मकसद किताबों पर चर्चा करना ही नहीं, बल्कि बिना किसी व्यवधान के पढ़ने के आनंद को महसूस करना भी था। विद्यार्थियों की पसंद में साहित्य की अलग-अलग विधाओं का रंग देखने को मिला। अमिताव घोष की 'द शैडो लाइन्स' से लेकर चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की 'द पैलेस ऑफ इल्यूशंस', पीजी वोडहाउस की 'द कोड ऑफ द वूस्टर्स' और हारुकी मुराकामी की 'व्हाट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग' जैसी चर्चित किताबें इस आयोजन का हिस्सा बनीं। आज के डिजिटल दौर में 'बुक डूफ' जैसी पहल इसलिए भी खास है, क्योंकि इसमें लोग बिना बातचीत या दूसरी गतिविधियों में उलझे एक ही जगह बैठकर पढ़ते हैं। सामूहिक माहौल के बीच हर पाठक अपनी किताब के साथ निजी जुड़ाव महसूस करता है। कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी इस पहल के जरिए स्क्रीन से दूरी बनाकर किताबों के साथ समय बिताने का अनुभव लिया।

मोबाइल को कहा 'बाय-बाय', किताबों की दुनिया में खो गए विद्यार्थी

जीजीडीएसडी कॉलेज में सजा 'बुक डूफ', एक साथ बैठे विद्यार्थी

» मदरलैंड संवाददाता

चंडीगढ़। न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्रॉल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में इंग्लिश विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ इसी अंदाज में ह्यबुक डूफह्ल का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्रम में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचा, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी। इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए। यहां मकसद किताबों पर चर्चा करना ही नहीं, बल्कि बिना किसी व्यवधान के पढ़ने के आनंद को महसूस करना भी था।

विद्यार्थियों की पसंद में साहित्य की अलग-अलग विधाओं का रंग देखने को मिला। अमिताव

घोष की 'द शैडो लाइन्स' से लेकर चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की 'द पैलेस ऑफ इल्यूशंस', पीजी वोडहाउस की 'द कोड ऑफ द वूस्टर्स' और हारुकी मुराकामी की 'व्हाट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग' जैसी चर्चित किताबें इस आयोजन का हिस्सा बनीं।

कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि डिजिटल दौर में, जब लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर बीत रहा है, ऐसे में ह्यबुक डूफह्ल जैसी पहल पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें लोग एक ही स्थान पर शांतिपूर्वक बैठकर अपनी पसंद की किताब पढ़ते हैं। इस दौरान न बातचीत होती है और न ही कोई दूसरी गतिविधि पढ़ने में बाधा बनती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक माहौल में बैठकर पढ़ने का अनुभव अपने आप में अनूठा है। एक ओर सभी पाठक किताबों के प्रति अपनी रुचि साझा करते हैं, वहीं दूसरी ओर हर व्यक्ति अपनी किताब के साथ एक निजी जुड़ाव महसूस करता है।

कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी इस पहल के जरिए स्क्रीन से दूरी बनाकर किताबों के साथ समय बिताने का अनुभव लिया। इंग्लिश विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना वर्मा सिंह ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना की। उन्होंने पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने में सहयोग के लिए कॉलेज प्रिंसिपल और अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा सरीन का आभार जताया। आयोजन ने संदेश दिया कि डिजिटल दुनिया की तेज रफ्तार के बीच किताबों के साथ बिताए गए शांत पल आज भी सुकून और सीख का अनमोल जरिया हैं।

पंजाब केसरी 15/10/2026

स्क्रीन से दूरी, किताबों से दोस्ती: जी.जी.डी.एस.डी. कॉलेज में बुक डूफ कार्यक्रम का आयोजन

विद्यार्थियों ने पसंदीदा पुस्तकों के साथ मनाया पढ़ने का उत्सव

कॉलेज में आयोजित बुक डूफ कार्यक्रम में भाग लेते शिक्षक और विद्यार्थी। (कुर्ल)

चंडीगढ़, 14 अक्तूबर (आशीष): सैक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज के अंग्रेजी विभाग के विद्यार्थियों ने बुक डूफ कार्यक्रम का आयोजन किया। इसमें पुस्तक प्रेमियों ने एक साथ बैठकर पढ़ने के आनंद का उत्सव मनाया। प्रत्येक विद्यार्थी अपने घर से ऐसी पुस्तक लेकर आया, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे उसकी विशेष यादें जुड़ी हुई थीं। कार्यक्रम में विभिन्न विधाओं की पुस्तकें पढ़ी गईं। इनमें अमिताव घोष की 'द शैडो लाइन्स', चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की 'द पैलेस ऑफ इल्यूशंस', पी.जी. वोडहाउस की 'द कोड ऑफ द वूस्टर्स' और हारुकी मुराकामी की 'व्हांट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग' शामिल थीं।

इस आयोजन ने विद्यार्थियों को शांत वातावरण में एक साथ बैठकर अपनी पसंदीदा किताबें पढ़ने का अवसर दिया। बुक डूफ जैसे आयोजन स्क्रीन और अन्य व्यवधानों से दूर रहकर पढ़ने की आदत विकसित करने के साथ पठन संस्कृति को बढ़ावा देते हैं।

अंग्रेजी विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना वर्मा सिंह ने आयोजन और पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने के लिए विद्यार्थियों की सराहना की। उन्होंने कॉलेज के प्राचार्य डॉ. अजय शर्मा और अंग्रेजी विभाग की अध्यक्ष डॉ. पूजा सरीन के निरंतर सहयोग एवं प्रोत्साहन के लिए आभार व्यक्त किया।

मोबाइल को कहा 'बाय-बाय', किताबों की दुनिया में खो गए विद्यार्थी

जीजीडीएसडी कॉलेज में सजा 'बुक डूफ', एक साथ बैठे विद्यार्थी

चंडीगढ़, स्टेट समाचार

न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्रॉल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में इंग्लिश विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ इसी अंदाज में 'बुक डूफ' का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्रम में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचा, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी। इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए। विद्यार्थियों की पसंद में साहित्य की अलग-अलग विधाओं का रंग देखने को मिला। अमिताव घोष की 'द शैडो लाइन्स' से लेकर चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की 'द पैलेस ऑफ इल्यूशंस', पीजी वोडहाउस की 'द कोड ऑफ द वूस्टर्स' और हारुकी मुराकामी की 'व्हाट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग' जैसी चर्चित किताबें इस आयोजन का हिस्सा बनीं। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि डिजिटल दौर में, जब लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर बीत रहा है, ऐसे में 'बुक डूफ' जैसी पहल पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें लोग एक ही स्थान पर शांतिपूर्वक बैठकर अपनी पसंद की किताब पढ़ते हैं। इस दौरान न बातचीत होती है और न ही कोई दूसरी गतिविधि पढ़ने में बाधा बनती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक माहौल में बैठकर पढ़ने का अनुभव अपने आप में अनूठा है। कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी इस पहल के जरिए स्क्रीन से दूरी बनाकर किताबों के साथ समय बिताने का अनुभव लिया। इंग्लिश विभाग की सहायक प्रोफेसर डॉ. अर्चना वर्मा सिंह ने विद्यार्थियों की इस पहल की सराहना की। उन्होंने पठन संस्कृति को प्रोत्साहित करने में सहयोग के लिए कॉलेज प्रिंसिपल और अंग्रेजी विभागाध्यक्ष डॉ. पूजा सरीन का आभार जताया।

दैनिक उत्तम हिन्दू स्थापना 1983
■ पंजाब ■ हरियाणा ■ हिमाचल ■ चंडीगढ़ ■ दिल्ली ■ उत्तर प्रदेश

जीजीडीएसडी कॉलेज में सजा 'बुक डूफ', एक साथ बैठे विद्यार्थी

उत्तम हिन्दू न्यूज़ नेटवर्क

चंडीगढ़/ विज: न मोबाइल की घंटियां, न सोशल मीडिया की हलचल और न ही स्क्रीन पर स्क्रॉल करने की बेचैनी। आसपास बैठे लोग, हाथों में पसंदीदा किताबें और पन्नों में खो जाने का सुकून। सेक्टर-32 स्थित गोस्वामी गणेश दत्त सनातन धर्म कॉलेज में इंग्लिश विभाग के विद्यार्थियों ने कुछ

इसी अंदाज में 'बुक डूफ' का आयोजन कर पढ़ने के पुराने शौक को नए रंग में जिया। कार्यक्रम में हर विद्यार्थी अपने घर से ऐसी किताब लेकर पहुंचा, जो उसके दिल के करीब थी और जिससे कोई खास याद जुड़ी थी। इसके बाद सभी एक साथ बैठे और अपनी-अपनी किताबों की दुनिया में खो गए। विद्यार्थियों की पसंद में साहित्य की अलग-अलग विधाओं का रंग देखने को मिला। अमिताभ घोष की 'द शैडो लाइन्स' से लेकर चित्रा बनर्जी दिवाकरुणी की 'द पैलेस ऑफ इल्यूशंस', पीजी वोडहाउस की 'द कोड ऑफ द वूस्टर्स' और हारुकी मुराकामी की 'व्हाट आई टॉक अबाउट व्हेन आई टॉक अबाउट रनिंग' जैसी चर्चित किताबें इस आयोजन का हिस्सा बनीं। कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. अजय शर्मा ने कहा कि डिजिटल दौर में, जब लोगों का अधिकांश समय मोबाइल फोन और सोशल मीडिया पर बीत रहा है, ऐसे में 'बुक डूफ' जैसी पहल पढ़ने की संस्कृति को बढ़ावा देने में अहम भूमिका निभा सकती है। इसकी खासियत यह है कि इसमें लोग एक ही स्थान पर शांतिपूर्वक बैठकर अपनी पसंद की किताब पढ़ते हैं।

इस दौरान न बातचीत होती है और न ही कोई दूसरी गतिविधि पढ़ने में बाधा बनती है। उन्होंने कहा कि सामूहिक माहौल में बैठकर पढ़ने का अनुभव अपने आप में अनूठा है। कॉलेज के विद्यार्थियों ने भी इस पहल के जरिए स्क्रीन से दूरी बनाकर किताबों के साथ समय बिताने का अनुभव लिया।